मवाना मैराथन में हिस्सा लेंगे रिकॉर्ड 12000 एथलीट

नई दिल्ली। देश की प्रतिष्ठित मवाना शुगर्स इंडिया ओपन मैराथन का आयोजन यहां एतिहासिक इंडिया गेट से 17 फरवरी को किया जाएगा जिसमें इस बार रिकॉर्ड 12000 एथलीट लेंगे।

मवाना शुगर्स लिमिटेड के अध्यक्ष सिद्धार्थ श्रीराम ने गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि 42.165 किलोमीटर की पूर्ण मैराथन 17 फरवरी को इंडिया गेट से शुरू होगी और राजधानी के कई महत्वपूर्ण स्थानों से गुजरते हुए वापस इंडिया गेट पर ही समाप्त होगी।

श्रीराम ने बताया कि इस मैराथन का आयोजन ऊषा इंटरनेशनल के सहयोग से भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वावधान में किया जा रहा है और इसमें केवल भारतीय एथलीट ही हिस्सा लेते हैं। उन्होंने बताया कि पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को एकसमान ढ़ाई-ढ़ाई लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। दूसरे स्थान के लिए एक-एक लाख रुपए और तीसरे स्थान के लिए 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

मवाना मैराथन में कुल 15 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसमें देश के 30 धावक हिस्सा लेंगे। गत वर्ष 8000 धावकों ने इसमें हिस्सा लिया था लेकिन इस वर्ष अब तक 8000 धावक पहले ही अपना पंजीकरण करा चुके हैं। यह संख्या 12000 पहुंच जाने की पूरी उम्मीद है। मैराथन के लिए 11 फरवरी प्रविष्टि लेने की अंतिम तारीख है।

मवाना मैराथन में दिल्ली पुलिस, सेना, वायुसेना और अर्धसैनिक बलों के चोटी के धावक खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इनमें दो बार के चैंपियन सत्यप्रकाश, सुनील, रामसिंह, के सी रामू और भैरो सिंह शामिल हैं जबकि महिलाओं में इंद्रेश धीरज, एम सुधा और सुनीता रानी अपनी चुनौती पेश करेंगी।

इस वर्ष कॉरपोरेट और कॉलेजों को अपनी टीमें भेजने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पैरा ओलंपिक संगठनों के विकलांग धावक भी इस मैराथन में शिकरत करने उतरेंगे। श्रीराम ने कहा कि इस बार मैराथन में सर्वाधिक 12000 धावक हिस्सा लेने जा रहे हैं और अगले वर्ष हमारा लक्ष्य इसे दोगुना करना रहेगा। मैराथन में वायुसेना और दिल्ली पुलिस से एक-एक हजार धावक उतरेंगे जबकि आई पी यूनिवर्सिटी के विभिन्न कालेजों से 1000 धावकों के आने की उम्मीद है।

हालांकि यह मैराथन एथलेटिक्स महासंघ के तत्वावधान में हो रही है जबकि महासंघ पर खेल मंत्रालय की तरफ से प्रतिबंध लगा हुआ है। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद एथलेटिक्स महासंघ के निदेशक एम एल डोगरा ने कहा कि बेशक महासंघ पर प्रतिबंध लगा हुआ है लेकिन इसका इस मैराथन में धावकों की पोजिशन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उनके रिकॉर्ड को उसी तरह मान्यता मिलेगी जैसे पहले मिलती रही है। मैराथन में नियमानुसार विजेता धावकों के बाकायदा डोप टेस्ट भी कराए जाएंगे।

मवाना मैराथन में हाफ मैराथन के पुरुष और महिला विजेताओं को 70-70 हजार रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी। दूसरे स्थान के लिए 40 हजार और तीसरे स्थान के लिए 25 हजार रुपए दिए जाएंगे।